2 जब हवा चलती है.....

(शिक्षाप्रद कहानी)

प्रतिध्वनि

"तैयारी में विफल होने का मतलब है, विफल होने की तैयारी करना" – बेंजामिन फ्रैंकलिन

बहुत समय पहले की बात है, कर्नाटक के उत्तरी छोर पर एक किसान रहता था। उसे अपने खेत में काम करने वालों की बड़ी जरूरत रहती थी, लेकिन ऐसी खतरनाक जगह, जहाँ आए दिन आँधी- तूफान आते रहते हों, कोई काम करने को तैयार नहीं होता था।

किसान ने एक दिन शहर के अखबार में इश्तहार दिया कि उसे खेत में काम करने वाले एक मजदूर की जरूरत है। किसान से मिलने कई लोग आए लेकिन जो भी उस जगह के बारे में सुनता, वो काम करने से मना कर देता। अंततः एक सामान्य कद का पतला-दुबला अधेड़ व्यक्ति किसान के पास पहुँचा।

किसान ने उससे पूछा, "क्या तुम इन परिस्थितियों में काम कर सकते हो?"

"हाँ, बस जब हवा चलती है तब मैं सोता हूँ," व्यक्ति ने उत्तर दिया।

किसान को उसका उत्तर थोड़ा अजीब लगा लेकिन उसे कोई और काम करने वाला नहीं मिल रहा था इसलिए उसने व्यक्ति को काम पर रख लिया।

मजदूर मेहनती निकला। वह सुबह से शाम तक खेतों में मेहनत करता। किसान भी उससे काफी संतुष्ट था। कुछ ही दिन बीते थे कि एक रात अचानक ही जोर-जोर से हवा बहने लगी। किसान अपने अनुभव से समझ गया कि अब तूफान आने वाला है। वह तेजी से उठा, हाथ में लालटेन ली और मजदूर के झोंपड़े की तरफ दौड़ा।

"जल्दी उठो, देखते नहीं तूफ़ान आने वाला है। इससे पहले कि सब कुछ तबाह हो जाए, कटी फसलों को बाँधकर ढक दो और बाड़े के गेट को भी रस्सियों से बाँध दो" किसान चीखा।

मजदूर बड़े आराम से पलटा और बोला, "नहीं जनाब! मैंने आपसे पहले ही कहा था कि जब हवा चलती है तो मैं सोता हूँ।"

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

अधेड़ – मध्य आयु का व्यक्ति

व्यवस्थित – जिसमें किसी प्रकार की व्यवस्था हो

संभावना – मुमकिन होना / हो सकने की स्थिति

अंततः – अंत में

तबाह – बरबाद/नष्ट

निश्चिंत – चिंतारहित

निपटना – हल ढूँढ़ना

इश्तहार – विज्ञापन

Scanned with CamScanner

Class4 पाठ 2 जब हवा चलती है..

प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क- किसान ने अखबार में इश्तहार क्यों दिया ?

उत्तर- किसान ने अखबार में इश्तहार अपने खेत में काम करने के लिए एक मजदूर को तलाशने के लिए दिया ।

ख- कोई भी मजदूर किसान के खेत पर काम क्यों नहीं करना चाहता था ?

उत्तर - किसान का खेत ऐसी जगह पर था जहाँ आए दिन आँधी तूफान आते रहते थे इसलिए कोई भी मजदूर उसके खेत पर काम नहीं करना चाहता था ।

ग- किसान की आंखें आश्चर्य से खुली क्यों रह गई ?

उत्तर - खेत में सारी चीजें व्यवस्थित देखकर किसान की आंखें आश्चर्य से खुली रह गई क्योंकि तेज तूफान से नुकसान होने की कोई संभावना नहीं बची थी ।

घ- जब हवा चलती है तब मैं सोता हूं का आशय क्या है?

उत्तर- "जब हवा चलती है तब मैं सोता हूँ" से आशय है कि प्रत्येक व्यक्ति को मजदूर की तरह अपना समस्त कार्य समय पर समाप्त करके भविष्य में आने वाले संकट से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए ।

ङ- इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर -इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपना काम समय पर करना चाहिए और बुरे समय से निपटने के लिए पहले से तैयार रहना चाहिए।

Scanned with CamScanner

रिक्त स्थान भरिए–

(क) कर्नाटक के उत्तरी छोर पर एक किसान रहता था।

(ख) "जब हवा चलती है तब मैं सोता हूँ।"

(ग) किसान अपने अनुभव से समझ गया कि अब तूफान आने वाला है।

(घ) सभी चीज़ें बिलकुल व्यवस्थित थीं।

सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए– [(Multiple Choice Questions (MCQs)]

(क) एक सामान्य कद का पतला-दुबला ..... व्यक्ति किसान के पास पहुँचा।

(i) अधेड़ ✓ (ii) जवान ○ (iii) वृद्ध

(ख) मज़दूर सुबह से ..... तक खेतों में मेहनत करता।

(i) दोपहर ○ (ii) शाम ✓ (iii) रात

(ग) किसान ने हाथ में ..... ली और मज़दूर के झोंपड़े की तरफ दौड़ा।

(i) लकड़ी ○ (ii) रस्सी ○ (iii) लालटेन ✓

.....

Scanned with CamScanner